Seventeenth Loksabha

an>

Title: Demand to take steps to fill up all the seats of NEET PG.

डॉ. संजय जायसवाल (पश्चिम चम्पारण): सभापति महोदय, नीट पीजी के जो एग्जाम होते हैं । आप स्वयं सर्जरी के प्रोफेसर हैं । एमबीबीएस की परीक्षा पास करना कितना डिफिकल्ट होता है, आप अच्छे से जानते हैं ।

इस देश में अभी पिछले तीन वर्षों से स्वास्थ्य मंत्रालय हर साल 7 हजार पोस्ट ग्रेजुएट की सीटें खाली रख रहा है । उसका कारण यह है कि ये लोग 50 परसेंटाइल का अर्थ ही नहीं समझ रहे हैं । 50 परसेंटाइल नीट यूजी के लिए ठीक है । लेकिन नीट पीजी में एक लाख अस्सी हजार वां अंतिम डॉक्टर होता है । वह भी 12 मेडिकल कॉलेज का टर्मिनल एग्जाम पास करता है और 4 यूनिवर्सिटी का एग्जाम पास करता है, तभी जाकर वह उस पोजिशन में पहुंचता है ।

मेरा आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध है कि सरकार को कहा जाए कि नीट पीजी की एक भी सीट खाली नहीं रहनी चाहिए । आप एक तरफ हर जिले में मेडिकल कॉलेज खोलने की बात कर रहे हैं और ये सीटें एनाटोमी, फिजिलॉजी और बायो-कमेस्ट्री की खाली रहती हैं । अगर उसमें लड़के पोस्ट-ग्रेजुएशन नहीं करेंगे तो आप नया मेडिकल कॉलेज कैसे खोलेंगे?

मेरा आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध है कि एक लाख अस्सी हजार वें लड़के को भी आखिरी पोस्ट ग्रेजुएशन की सीट मिलती है ।

चूंकि वे सारे डॉक्टर्स हैं इसलिए उनको सीट मिलनी चाहिए । एक भी पोस्ट ग्रेजुएशन की सीट खाली छोड़ना न केवल डॉक्टर के साथ बल्कि मेडिकल कॉलेज के साथ और इस देश में भविष्य में जो बच्चे मेडिकल कॉलेज में पढ़ेंगे, उनके साथ भी अत्याचार है । इस पर सरकार को ध्यान देना चाहिए । आपने मुझे इस विषय को उठाने का मौका दिया, धन्यवाद ।

माननीय सभापति: श्री चुन्नीलाल साहू -उपस्थित नहीं ।

श्री जयंत सिन्हा -उपस्थित नहीं ।

श्री रोड़मल नागर -उपस्थित नहीं ।

श्री नरेन्द्र कुमार -उपस्थित नहीं ।

श्री कुरूवा गोरांतला माधव -उपस्थित नहीं ।